<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

<u>नई दिल्ली, 14 मई, 2021</u>

भारत सरकार

Government of India

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)

Ministry of Earth Sciences (MoES)

भारत मौसम विज्ञान विभाग

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

केरल में दक्षिण पश्चिम मॉनसून 2021 के आरंभ की तिथि का पूर्वानुमान

Forecast of the Onset Date of Southwest Monsoon – 2021 over Kerala

1. **पृष्ठभूमि**

भारतीय मुख्य भूमि पर दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की प्रगति केरल में मानसून के आरंभ से चिह्नित है और यह गर्म और शुष्क मौसम से वर्षा ऋतु में संक्रमण के लक्षण का महत्वूपर्ण संकेतक है । जैसे-जैसे मॉनसून उत्तर की ओर बढ़ता है, क्षेत्रों में चिलचिलाती गर्मी के तापमान से राहत का अनुभव मिलता है । दक्षिण पश्चिम मॉनसून 1 जून को लगभग 7 दिनों के मानक विचलन के साथ केरल में आ जाता है । भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) 2005 से केरल में मॉनसून के आरंभ की तारीख के लिए संक्रियात्मक पूर्वानुमान जारी कर रहा है । इस उद्देश्य के लिए ±4 दिनों की मॉडल त्रुटि के साथ स्वदेशी विकसित अत्याधुनिक सांख्यिकीय मॉडल का उपयोग किया जाता है । मॉडल में उपयोग किए जाने वाले 6 पूर्व सूचक हैं ; i) उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान, ii) दक्षिण प्रायद्वीप में मॉनसून पूर्व (प्री-मॉनसून) वर्षा का चरम, iii) दक्षिण चीन सागर के ऊपर बहिर्गामी दीर्घतरंग विकिरण (OLR), (iv) दक्षिण-पूर्व हिंद महासागर के ऊपर निचली क्षोभमंडलीय क्षेत्रीय पवन, (v) पूर्व भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर ऊपरी क्षोभमंडलीय क्षेत्रीय पवन, और (vi) दक्षिण-पश्चिम प्रशांत क्षेत्र के ऊपर बहिर्गामी दीर्घतरंग विकिरण (OLR)।

पिछले 16 वर्षों (2005-2020) के दौरान केरल में मॉनसून के आरंभ की तारीख का आईएमडी के संक्रियात्मक पूर्वानुमान वर्ष 2015 को छोडकर सही साबित हुए थे । हाल ही के 5 वर्षों (2016-2020) के लिए पूर्वानुमान सत्यापन नीचे दी गई तालिका में दिया गया है ।

वर्ष	**वास्तविक आरंभ की तिथि**	**पूर्वानुमान की गई आरंभ की तिथि**
2016	8 जून	7 जून
2017	30 मई	30 मई
2018	29 मई	29 मई
2019	8 जून	6 जून
2020	1 जून	5 जून

2. केरल के ऊपर 2021 के दक्षिण पश्चिम मानसून आरंभ के लिए पूर्वानुमान

इस वर्ष, केरल के ऊपर दक्षिण-पश्चिम मानसून के आरंभ की तारीख **±4** दिनों की मॉडल त्रुटि के साथ 31 मई होने की संभावना है ।

3. 2021 के दक्षिण पश्चिम मॉनसून की स्थिति और अंडमान सागर के ऊपर प्रगति

भारतीय मानसून क्षेत्र में, दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर प्रारंभिक मॉनसून वर्षा का अनुभव होता है और मॉनसूनी हवाएँ उसके बाद बंगाल की खाड़ी के पार उत्तर-पश्चिम में आगे बढ़ती हैं । मॉनसून के आरंभ / प्रगति की नई सामान्य तिथियों के अनुसार, दक्षिण पश्चिम मॉनसून 22 मई को अंडमान सागर के ऊपर आगे बढ़ता है । वर्तमान में लक्षद्वीप क्षेत्र और आस पास में एक अवदाब बना हुआ है । अगले 24 घंटों के दौरान इसके चक्रवाती तूफान में तीव्र होने की संभावना है । इसके उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने तथा 18 मई के शुरुआती घंटों में दक्षिण गुजरात तट पर पहुंचने की संभावना है । परिणामस्वरुप क्रॉस भूमध्यरेखीय दक्षिण पश्चिम हवाएं अस्थायी रुप से अरब सागर के ऊपर मजबूत है गई है । क्रॉस भूमध्यरेखीय प्रवाह 20 मई से बंगाल की खाड़ी के ऊपर मजबूत और गहरा होने की

संभावना है और 21 मई से दक्षिण बंगाल की खाड़ी तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ऊपर लगातार वर्षा गतिविधि की संभावना है । इसलिए 21 मई, 2021 के आसपास अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर मॉनूसन प्रगति की संभावना है । यद्यपि, अतीत के आंकड़ों से पता चलता है कि अंडमान सागर के ऊपर मॉनसून प्रगति की तारीख का संबंध केरल के ऊपर मॉनसून आरंभ की तारीख या देश में मॉनसून की मौसमी वर्षा के साथ नहीं है ।

4. भारत पर दक्षिण पश्चिम मॉनसून के आरंभ / प्रगति और वापसी की नई सामान्य तिथियां

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 15 अप्रैल, 2020 को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में हाल ही के आंकड़ों के आधार पर दक्षिण पश्चिम मानसून के आरंभ और वापसी की नई सामान्य तारीखें जारी की थी । आरंभ की सामान्य तिथियों को 1961-2019 के दौरान के आंकड़ों के आधार पर संशोधित किया गया है और वापसी की सामान्य तारीखों को 1971-2019 के दौरान के आंकड़ों के आधार पर संशोधित किया गया है । मॉनसून के आरंभ और वापसी की नई सामान्य तारीखों पर विस्तृत शोध पत्र नीचे दिए गए लिंक मौसम शोधपत्रिका में उपलब्ध है ।

https://mausamjournal.imd.gov.in/index.php/MAUSAM/article/view/33